

: 000000 00 000000-000000, 000000 00 0000 00 000000 00 000000 00 : 000000 00
0000000000 000 00 00, 000000 00 000 000 000000 : 0000000 00000 00 000000 00
0000 000 0000000000 0000000 00 000, 000000 00000 00000, 000000000 00000 00000
0000000 :

000000 000000

0000 : शतरंज का खेल जिसके नाम पर बाक्यदा का फ़िल्म तक बॉलीवुड बनाई जा चुकी है, लखनऊ में लोकेशान थी और गोमती नदी के किनारे से लेकर चौक के इलाके तक फ़िल्मा गी थी क्लावर थे संजीव कुमार और अमजद खान लेकिन यह तो सरिफ़ कहानी थी, मगर उसके पीछे जो चालें बखिरी और चली गई थीं उसने ही इस फ़िल्म को कमयाब करा दिया था।

ठीक ऐसी कहानी अब कुंभ पर्व के लेकर रची जा रही है। अलग-अलग नशाने हैं, अलग-अलग नगिहें हैं। अलग-अलग लक्ष्य है, अलग-अलग बाण हैं। अलग-अलग माध्यम है, अलग-अलग पात्र हैं। लेकिन इसमें आत्मा के तौर पर जिस चीज के चनिहति किया गया है उसका नाम है सरकारी खजाना। यह सरकारी खजाना ही तो वह साधन है, जो भाजपा का डंका बजा सकता है, अगर नशाना सटीक पड़ा, तो।

जी हां, इलाहाबाद में होने वाले कुंभ पर्व वहां आयोजित होने वाले विश्व विख्यात मेला और उसकी तैयारियों के लेकर जो सरकारी कमायद चल रही है, उसमें बेशुमार रकम फूँकने की कोशिश हो रही है। सूत्र बताते हैं कि इस मेला के प्रचार में इतनी रकम फूँक डाली जागी, कि पछिली अखलेश सरकार के आंकड़े फलत हो जागे।

विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि यह पूरा आयोजन कहने के तो कुंभ पर्व और उसके मेला के लेकर खर्च किया जागा। लेकिन इसके माध्यम से सरकार सीधे सन 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव में अपनी मजबूत हैसियत बनाने की जुगत में है। क्योंकि यह पूरा आयोजन ठीक उसी वक्त पर हो रहा होगा जब लोकसभा चुनाव में चल रहे होंगे। ऐसी हालत में सरकारी खजाने से खर्च होने वाली रकम का लाभ भाजपा को चुनाव में मजबूती दिला सके, इसके लागे कुंभ पर्व की रणनीति प्रशासनिक तौर पर बनाई जाने की जोर-शोर कमायद चल रही है।

दिल्ली के कवरिष्ठ पत्रकार ने बताया कि कुम्भ पर्व में पूरी प्रचार कैम्पेन की बागडोर का अंतरराष्ट्रीय कंपनी को थमा दे दी गई है जिसका नाम है 'मैकएन इरक्सन'। फैसले के तहत यह कंपनी ही इस पूरे मेला और पर्व क्षेत्र में न्यूज़ चैनल, टीवी चैनल, अखबार, आउटडोर और बैनर होर्डिंग का काम करेगी। यही काम पनी करेगी टवि, फोटो सेशन, चलागी आउटडोर शूटिंग करायेगी, और इसके अलावा जो भी उसके मन में आगा, करेगी। यूपी सरकार के अपसर इस कंपनी के सामने हाथ जोड़े खड़े रहेंगे।

तो आइये, जरा समझ लया जा। कि यह 'मैकएन इरक्सन' नामक कंपनी का आधार क्या है। कोई भी खास आधार नहीं है जनाब, कुछ भी नहीं। सवाय इसके कि कंपनी के अध्यक्ष प्रसून जोशी है जो सेंसर बोरड के अध्यक्ष भी हैं। और हाल ही नरेंद्र मोदी के करीबी बन चुके हैं। उसके बाद से ही उनकी पहुंच देश व यूपी के सभी बड़े भाजपा नेताओं तक हो गयी। फिर क् या था, प्रसून के इस काम पनी की तूती कुम्भ पर्व में भी बजने लगी। सूत्र बताते हैं

Written by कुमर सौवीर

Wednesday, 04 July 2018 18:03

क सूचना वभिाग और मुखयमंत्री सचवालय के बड़े-बड़े अपसर इस क्म पनी के इस दायत्व के पूरा करने के ली हाथ जोड़े खड़े रहते हैं सभी माध्यम मीडया में वज्जापन वाले लोग प्रसून जोशी के दरवाजे पर अरदास लगाते हैं

बताते हैं क अखबारों और चैनलों के उनकी मांग से ज्यादा पैसा उनके मुंह में टूसा जा चुक है ऐसे में अब यह उम्मीद पालना बंद कर दीजा गा क आपके आम आदमी के जोड़ने वाली खबर मलिंगी सच बात तो यही रहेगी क अब जो भी परोसा जा गा चैनल और अखबारों में, वह वही मलिंगा जो सरकार चाहती है और जसि अपसर उनके मुंह पर पेंनेगे

0000000 0000 0000 -2019